आईआईएफएल ने वित्तीय साक्षरता का प्रचार-प्रसार करने के लिए 7,400 किलोमीटर की यात्रा पूरी की

जयपुर। भारत की सबसे बड़ी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी, आईआईएफएल फाइनेंस ने आईआईएफएल फांउडेशन के साथ मिलकर वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए राजस्थान के 37 शहरों में 7,400 किलोमीटर का सफर तय किया और 200 से अधिक जगहों पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। इसमें मुश्किल दौर से गुजर रहे एक मध्यमवर्गीय परिवार की कहानी बताई गई और यह बताया गया कि मुश्किल समय के लिए धन को बचाना कितना जरूरी है। साथ ही यह भी बताया गया कि आत्मनिर्भर होने के लिए वित्तीय आत्मनिर्भरता जरूरी है। इन नुक्कड़ नाटकों को

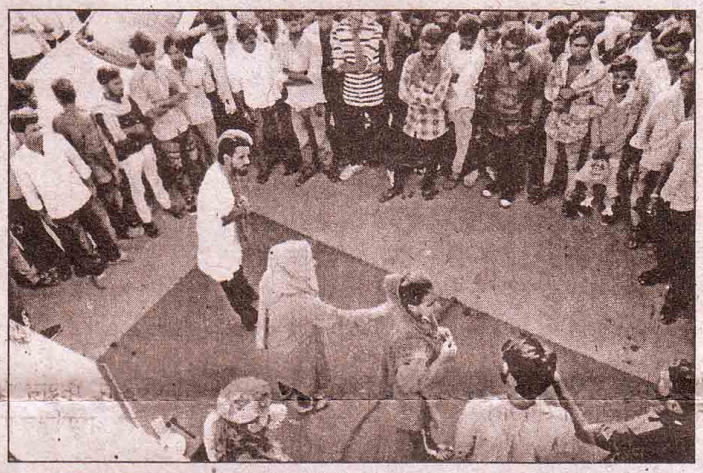

सड़क से गुजरने वाले हजारों लोगों ने देखा जिसमें हर क्षेत्र के लोग थे। इन लोगों ने आईआईएफएल की वित्तीय क्षेत्र में आम लोगों को शिक्षित करने की पहल को सराहा। इस दौरान आईआईएफएल के अधिकारी मौजूद थे जो लोगों को बता रहे थे कि कैसे वित्तीय स्वतंत्रता हासिल की जा सकती है। आईआईएफएल फांउडेशन की सीईओ डॉ. सारिका कुलकर्णी ने इस पहल के बारे में कह कि आईआईएफएल फाइनेंस एक जिम्मेदार वित्तीय संगठन है।

इसके प्राथमिक लक्ष्य ईएसजी यानि इंवायरमेंट, सोशल और गर्वनेंस हैं। वित्तीय साक्षरता हासिल करना व्यक्तिगत लक्ष्य या ड्रीम नहीं है बल्कि यह स्वास्थ्य व समाज की आधारशिला है।